Teacher Education in Ancient Indian →

(1) Vedic Education system →

⇒ शिक्षक को आचार्य (या) गुरु कहा जाता था।

⇒ शिक्षक के रूप में ब्राह्मण को चुना जाता था।
ब्राह्मण, क्षत्रिय को गुरु कुल में शिक्षा दी जाती थी।
⇒ माता पिता के व्यवसाय को उनके बच्चे भी करते थे।
⇒ शिक्षक ~~के अभाव में~~ कक्षा छात्रों को चुनता था तथा छात्र भी शिक्षक चुनने के लिए स्वतंत्र था।
⇒ छात्रों को गुरु कुल में रहने का समय कम से कम 12 वर्ष तथा अधिकतम 48 साल तक गुरुकुल में रह सकता था।
ब्राह्मण – 8 वर्ष
क्षत्रिय – 10 वर्ष
वैश्य – 12 "
⇒ मौखिक परीक्षा होती थी। छात्राध्यापकों को कैसे पढ़ाना है।
⇒ गुरु शिष्य सम्बंध मधुर, पितृवत, आत्मीय सम्बंध होता था।
⇒

⇒ (1) अपस्तुत बातें क्या थी →

(1) पाठ्यक्रम के निर्माण में समाज का कोई हस्तक्षेप नहीं था
(2) बिना शुल्क की शिक्षा दी जाती थी
(3) कितना समय तक पढाना है वह गुरु के ऊपर रहता था।

(2) कोई भी छात्र वहाँ रहकर अध्ययन करते थे तथा वहीं आवास में रहना पड़ता था

(3) शिक्षक और शिष्य के बीच सम्बंध
(4) शिक्षा फ्री रहती थी। बच्चों की प्राथमिक आवश्यकताओं को पुरा करता था
(5) बच्चे गाँव में घुम कर भिक्षाटन करते थे उनमें मेहनत करने के गुणों का विकास किया जाता है।
(6) सेमिनार पद्धति – छात्र वाद-विवाद करते थे

Scanned with CamScanner

उद्देश्य →

1) To provide good training of young man of whomen in the performence of the religious duty.

2) शिक्षा का आरम्भ →
विद्यारम्भ संस्कार – (5 वर्ष) माँ सरस्वती की पूजा
बच्चे को पहली बार हाथ पकड़ कर लिखने का आरम्भ करवाता था।

⇒ महिला शिक्षा – गृह कला के विषय में बताया जाता था।
खाना-गाना, डान्स करना

Subject of Study → विषय पढ़ाया जाता था

6 वेदांग, 4 वेद, उपनिषद - 13, पुराण - 108, तर्क शास्त्र, पुरुषार्थ, आदि।

Vocational Education –
लोगों को रोज-मर्रा के जीवन के लिए ए।

Methode of Learning –
दैनिक जीवन से सम्बंधित उदाहरण देकर समझाते थे

1) Memorylyzation
2) अन्तर्दर्शन.
3) कहानी विधि.
4) प्रश्नोत्तर विधि.
⇒ खेलकर के सीखना.
⇒ सेमिनार.
⇒ (1) कहे गये बातों को ध्यान से सुनना
(2) जो शब्द हम सुने है उनका सही अर्थ निकालना
(3) उसके अर्थ को समझकर उसे सामान्यीकरण करना
(4) जो सामान्यीकरण किया गया है वह सही है कि नहीं

Scanned with CamScanner

⑧ जो ज्ञान मिला है उसे दिन प्रति दिन के जीवन में प्रयोग करेगा।

Type of teacher →

① आचार्य - वेदों को पढ़ाना, बिना शुल्क,

② उपाध्याय - शिक्षण को प्रोफेसन अपनाते थे, वेदों को पढ़ाने का कार्य कार्य करते थे।

③ गुरु - गृहस्थ जीवन में रहते हुए शिक्षण का करते थे तथा अपनी भरण-पोषण करते थे। (पुराण की शिक्षा देते थे)

④ शिक्षक - शिक्षक; शिक्षण का कार्य करते थे तथा छात्रों को ज्ञान गाना आदि सीखाते थे

Educational Institution → (शैक्षिक संस्थान)

① गुरुकुल -

② परिषद - परिषद में पढ़ाने वाले 3 व्यक्ति रहते थे

③ गोष्ठी -

④ आश्रम -

⑤ घटिक - आपस में मिलकर तर्क करते थे।

Scanned with CamScanner